अग्रवाल महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग ने 19-03-2026 को "ऐतिहासिक स्रोतों का सर्वेक्षण" विषय पर बेहद ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव के इतिहास विभाग में अस्सिटेंट प्रोफेसर श्री प्रवीन कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रतिष्ठित वक्ता ने छात्र- छात्राओं और संकाय सदस्यों को इतिहास के स्रोतों का सर्वेक्षण का अर्थ बताते हुए कहा कि इतिहास से संबंधित जानकारी के विभिन्न उपलब्ध साधनों–जैसे पुरातात्विक,सिक्के,मूर्ति,औजार,अभिलेख,साहित्यिक,पुस्तकें, विदेशी विवरण या दस्तावेज़ की खोज, जांच और उनका अध्ययन करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऐतिहासिक स्रोतों का सर्वेक्षण एक प्रकार से इतिहास में साक्ष्यों का अवलोकन ही है,इसका अर्थ किसी विशेष कालखंड के इतिहास को समझने के लिए उपलब्ध पुरातात्विक सामग्री (सिक्के, शिलालेख, स्मारक) और साहित्यिक ग्रंथ,पत्र, डायरी, साक्ष्यों को खोजना, उनकी जांच करना और उनका मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालना है। मुख्य वक्ता श्री प्रवीन कुमार जी की विशेषज्ञता और व्यावहारिक उदाहरणों ने छात्रों की सीखने की प्रक्रिया में बहुत योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता जी , कॉलेज प्रबंध समिति के महासचिव श्री दिनेश कुमार गुप्ता जी और प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन और सहयोग से किया गया। व्याख्यान का संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ• जयपाल सिंह ने किया और उन्होनें कहा कि स्त्रोत इतिहासकार को उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर घटनाओं का गहराई से अध्ययन करने में मदद करते है, जिससे इतिहास की प्रामाणिक समझ विकसित होती है। कार्यक्रम का समापन इतिहास की अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ• सुप्रिया ढांडा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने विभाग के प्रयासों, अतिथि के प्रेरक शब्दों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। इस तरह की शैक्षणिक पहल, कक्षा में सीखने को प्रख्यात विद्वानों और वास्तविक समय की शोध पद्धतियों के संपर्क

के साथ जोड़कर एक समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

यह सत्र अत्यधिक संवादात्मक रहा, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक चर्चा में भाग लिया और विचारशील प्रश्न पूछे।